अज्ञेय

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन

1911 - 1987

शिक्षा

शुरु की पढ़ाई पिता की देखरेख में घर पर ही हुई। इन्होंने संस्कृत, फारसी, अंग्रेज़ी, और बांग्ला भाषा व साहित्य की पढ़ाई की। 1929 में बी.एससी. करने के बाद एम.ए. में उन्होंने अंग्रेजी विषय चुना, पर क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने के कारण पढ़ाई पूरी न हो सकी। 1930 से 1936 तक जेलों में रहे। उन्होंने 1936-37 में 'सैनिक' और 'विशाल भारत' नामक पत्रिकाओं का संपादन किया। 1943 से 1946 तक ब्रिटिश सेना में रहे। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद से प्रतीक नामक पत्रिका निकाली और ऑल इंडिया रेडियो में नौकरी की। इसके बाद देश-विदेश की यात्राएँ भी कीं। उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से लेकर जोधपुर विश्वविद्यालय तक में अध्यापन का काम किया। दिल्ली लौटकर 'दिनमान' साप्ताहिक, नवभारत टाइम्स, अंग्रेजी पत्र 'वाक्' और 'एवरीमैंस' जैसी प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया। 1980 में उन्होंने 'वत्सलनिधि' नामक एक न्यास की स्थापना की जिसका उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करना था। दिल्ली में ही 4 अप्रैल 1987 को उनकी मृत्यु हुई। 1964 में 'आँगन के पार द्वार' पर उन्हें साहित्य अकादमी का पुरस्कार प्राप्त हुआ और 1979 में 'कितनी नावों में कितनी बार' पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार।

विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के संपादन के साथ-साथ अज्ञेय ने 'तारसप्तक', 'दूसरा सप्तक' और 'तीसरा सप्तक' जैसे युगांतरकारी काव्य-संकलनों का भी संपादन किया। इसके अलावा 'पुष्करिणी' और 'रूपांबरा' जैसे काव्य-संकलनों का भी संपादन किया। वे 'वत्सलनिधि' से प्रकाशित आधा दर्जन निबंध-संग्रहों के भी संपादक हैं। बेशक वे आधुनिक हिन्दी साहित्य के एक शलाका-पुरूष थे जिन्होंने भारतेंदु के बाद एक दूसरे आधुनिक युग का प्रवर्तन किया।

अज्ञेय अन्तर्मुखी थे। उन्हें अपने निजी जीवन के बारे में बात करना या उसे चर्चा का विषय बनाना अच्छा नहीं लगता था। फिर भी अज्ञेय ने अपनी चिन्तन-प्रक्रिया, अपनी रचना-प्रक्रिया और अपने व्यक्तिगत आग्रहों के विषय में बहुत कुछ लिखा है।

प्रकाशित रचनाएँ

कविता - भग्नदूत 1933, चिन्ता 1942, इत्यलम् 1946, हरी घास पर क्षण भर 1949, बावरा अहेरी 1945, इन्द्रधनु रौंदे हुये ये 1957, अरी ओ करुणा प्रभामय 1959, आँगन के पार द्वार 1961, समुद्रमुद्रा 1970, प्रिजन डेज एण्ड अदर पोएम्स (अंग्रेजी में) 1946 **कहानियाँ -** विपथगा 1937, परम्परा 1944, कोठरी की बात 1945, शरणार्थी 1948, जयदोल 1951 **उपन्यास -** शेखर एक जीवनी - प्रथम भाग 1941, द्वितीय भाग 1944; नदीके द्वीप 1952; अपने-अपने अजनबी 1961 **यात्रा वृतान्त -** अरे यायावर रहेगा याद? 1943, एक बूँद सहसा उछली 1960 **आलोचना -** त्रिशंकु 1945, आत्मनेपद 1960, भवन्ती 1971, आलवाल 1971 **संपादित ग्रंथ -** आधुनिक हिन्दी साहित्य (निबन्ध संग्रह)1942, तार सप्तक (कविता संग्रह) 1943, दूसरा सप्तक (कविता संग्रह)1951, तीसरा सप्तक (कविता संग्रह), सम्पूर्ण 1959, नये एकांकी 1952, रूपांबरा 1960